Title: Need to check irregularities of Paddy Procurement Centres in M.P. and to provide uninterrupted power supply to the farmers.

श्री रामनरेश त्रिपाठी (सिवनी) : उपाध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। इस समय पूरे मध्य प्रदेश में किसान दो मांगों को लेकर आंदोलनरत है। पहली यह है कि किसानों का समर्थन मूल्य पर धान नहीं खरीदा जा रहा।

दूसरा, किसानों को बिजली रवी-सीज़न के लिए उपलब्ध नहीं है। प्रदेश के किसी भी हिस्से में धान समर्थन मूल्य पर नहीं खरीदा जा रहा है और अगर कहीं तौल हो भी गयी तो उसका पैसा नहीं दिया जा रहा है, उसको उसका पैसा नहीं मिलता है। सहकारी संस्थाओं के माध्यम से धान खरीदा जा रहा है और केवल उन पर जो कर्ज होता है उसको पटाने के लिए ही धान खरीदा जा रहा है। बची हुई धान को किसान मजबूरी में व्यापारी को बेचता है। जो समर्थन मूल्य से काफी कम दाम पर धान खरीदते हैं। किसान के खेत में प्रयोग में आने वाली खाद, बीज और दूसरी चीजों के भी उतने पैसे उसके उत्पादन से नहीं निकल रहे हैं। बिजली का यह हाल है कि मात्र तीन घंटे के लिए बिजली किसान को मिल रही है जबकि प्रदेश शासन ने घोाणा की थी कि 6 घंटे किसानों को बिजली मिलेगी। लेकिन उसमें भी कटौती होती है और बिजली केवल तीन घंटे मिल रही है। इस तरह से सप्ताह में केवल 18 घंटे ही बिजली दी जा रही है। इतनी कम बिजली में कैसे कृाि सम्भव होगी इसे आप समझ सकते है। मेरा अनुरोध है कि स्थिति के बिगड़ने से पहले ही केन्द्रीय सरकार हस्तक्षेप करे और मेरी इन दोनों मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाए।